



Rani Basak

17 Jan 2003

12:30 AM

Ramganj

Model: Web-MyKundli

Order No: 120857801

शुद्धभाषण

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

লিঙ্গ _____: পুরুষ
জন্ম তারিখ _____: **16-17/01/2003**
দিন _____: বৃহ-শুক্রবার
জন্ম সময় _____: **00:30:00** ঘন্টা
ইন্ট _____: 45:09:07 ঘটা
স্থান _____: **Ramganj**
রাজ্য _____: West Bengal
দেশ _____: India

অক্ষাংশ _____: 26:19:00 উত্তর
রেখাংশ _____: 88:18:00 পূর্ব
মধ্য রেখাংশ _____: 82:30:00 পূর্ব
স্থানীয় সংস্কার _____: 00:23:12 ঘন্টা
গ্রীষ্ম সংস্কার _____: 00:00:00 ঘন্টা
স্থানীয় সময় শোধন _____: 00:53:12 ঘন্টা
বেলাান্তর _____: -00:09:35 ঘন্টা
সাম্প্রতিক কাল _____: 08:36:24 ঘন্টা
সূর্যোদয় _____: 06:26:21 ঘন্টা
সূর্যাস্ত _____: 17:06:42 ঘন্টা
দিনমান _____: 10:40:21 ঘন্টা
সূর্য স্থিতি -অয়ন _____: উত্তরায়ণ
সূর্য স্থিতি -গোল _____: দক্ষিণ
ঋতু _____: শীত
সূর্য ডিগ্রী _____: 02:20:07 মকর
লগ্ন ডিগ্রী _____: 10:51:51 তুলা

অবকহড়া চক্র
লগ্ন-লগ্নাধিপতি _____: তুলা - শুক্র
রাশি-স্বামী _____: মিতুন - বুধ
নক্ষত্র-চরণ _____: আর্দ্রা - 2
নক্ষত্র-স্বামী _____: রাহু
যোগ _____: ঐন্দ্র
করণ _____: গণ
গণ _____: নর
যোনি _____: শ্বান
নাড়ী _____: আদ্য
বর্ণ _____: শূদ্র
বশ্য _____: মানব
বর্গ _____: মার্জার
মুন্ড _____: মধ্য
হংসক _____: ভূমি
জন্ম নামাক্ষর _____: ঘ-ঘনশ্যাম
পায়া/রাশি-নক্ষত্র _____: রৌপ্য - রৌপ্য
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____: মকর

পঞ্জিকা

পিতামহের নাম _____ :
বাবার নাম _____ :
মায়ের নাম _____ :
জাতি _____ :
গোত্র _____ :

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিশ্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1924	পৌষ	27
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2059	মাঘ	4
বাংলা	সন্ : 1409	মাঘ	3
তামিল	সম্বৎ : 2059	থাই	4
কেরালা	কোল্লম : 1178	মকরম্	3
নেপালী	সম্বৎ : 2059	মাঘ	4
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2059	পৌষ	শুক্ল 14
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2059	পৌষ	শুক্ল 14

পঞ্জিকা

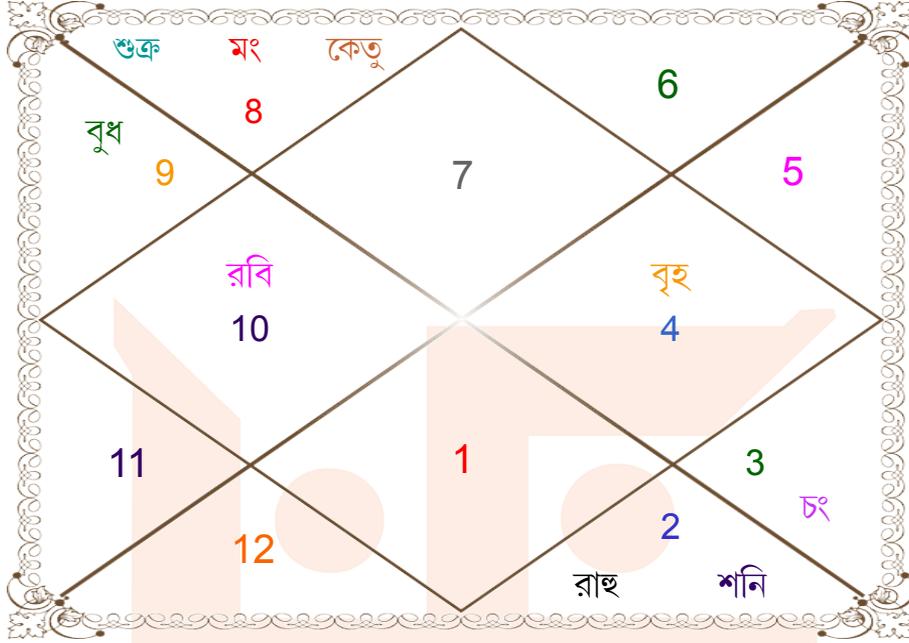
সূর্যোদয় কালীন তিথি _____ : 13
তিথির সমাপ্তিকালীন _____ : 17:00:16
জন্ম তিথি _____ : 14
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র _____ : মৃগশিরা
নক্ষত্র সমাপ্ত কাল _____ : 14:28:56 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : আর্দ্রা
সূর্যোদয় কালীন যোগ _____ : ঐন্দ্র
যোগ সমাপ্ত কাল _____ : 28:23:54 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : ঐন্দ্র
সূর্যোদয় কালীন করণ _____ : তৈতিল
করণ সমাপ্ত কাল _____ : 17:00:16 ঘন্টা
জন্মকালীন করণ _____ : গণ
ভয়ৎ _____ : 25:02:39
ভাবক _____ : 61:30:05
ভোগ্য দশা _____ : রাহু 10 ব 8 মা 22 দি

ঘাত চক্র

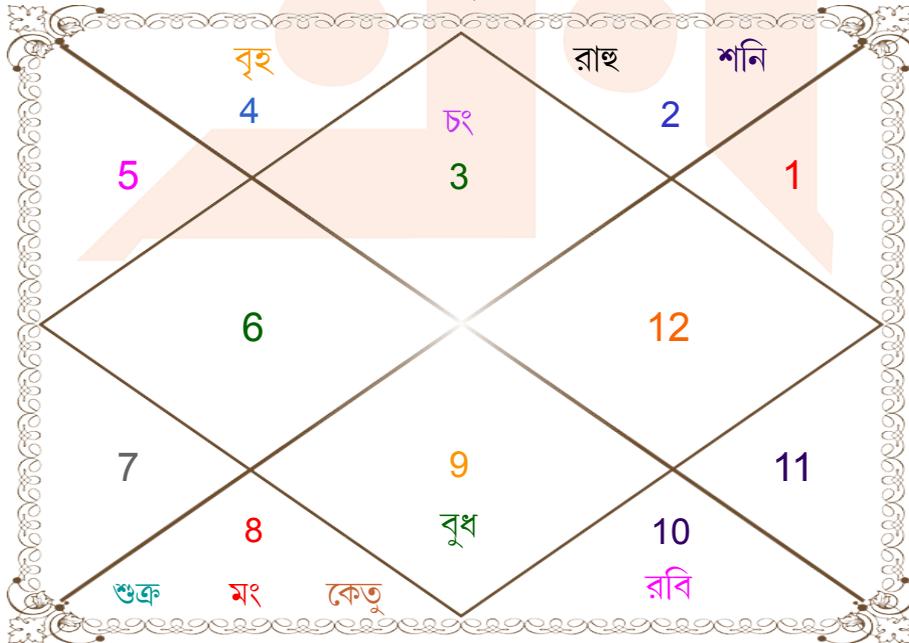
মাস _____ : আষাঢ়
তিথি _____ : 2-7-12
দিন _____ : সোমবার
নক্ষত্র _____ : শ্ববতী
যোগ _____ : পরিঘ
করণ _____ : কৌলব
প্রহর _____ : 3
বর্গ _____ : মূষক
লগ্ন _____ : কর্কট
সূর্য _____ : মীন
চন্দ্র _____ : কুম্ভ
মঙ্গল _____ : মেঘ
বুধ _____ : মকর
বৃহস্পতি _____ : বৃষ
শুক্ল _____ : মিত্থুন
শনি _____ : কুম্ভ
রাহু _____ : কর্কট

জন্ম কুণ্ডলী

নগ্ন কুণ্ডলী



চন্দ্র কুণ্ডলী



লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

লগ্ন কুন্ডলী

		রাহু শনি	চং
			বৃহ
রবি			
বুধ	কেতু মং শুক্র	লং	

লগ্ন কুন্ডলী

রাহু শনি			
চং			
বৃহ		রবি	
		বুধ	
	লং	মং শুক্র কেতু	

বিংশোত্তরী

রাহু 10ব 8মা 22দি

রাহু

17/01/2003

10/10/2115

রাহু	09/10/2013
বৃহস্পতি	09/10/2029
শনি	08/10/2048
বুধ	09/10/2065
কেতু	08/10/2072
শুক্র	08/10/2092
রবি	09/10/2098
চন্দ্র	09/10/2108
মঙ্গল	10/10/2115

য়োগিনী

মঙ্গলা 0ব 7মা 4দি

সিদ্ধা

22/08/2023

22/08/2030

সিদ্ধা	31/12/2024
সঙ্কটা	23/07/2026
মঙ্গলা	02/10/2026
পিঙ্গলা	21/02/2027
ধান্যা	22/09/2027
ভামরী	02/07/2028
ভদ্রিকা	22/06/2029
উলকা	22/08/2030

গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ.	স্থিতি
লং			তুলা	10:51:51	315:40:07	স্বাভী	2	15	শুক্র	রাহু	শনি	---
রবি			মক	02:20:07	01:01:05	উত্তরাষাঢ়া	2	21	শনি	রবি	বৃহ	শত্রুরাশি
চং			মিথু	12:03:14	12:58:33	আর্দ্রা	2	6	বুধ	রাহু	শনি	মিত্ররাশি
মং			বৃশ্চিক	05:51:10	00:38:40	অনুরাধা	1	17	মং	শনি	বুধ	স্বরাশি
বুধ	ব		ধনু	21:19:19	00:56:45	পূর্বাষাঢ়া	3	20	বৃহ	শুক্র	বৃহ	সমরাশি
বৃহ	ব		কর্ক	21:20:41	00:07:12	অশ্লেষা	2	9	চং	বুধ	শুক্র	উচচস্থ
শুক্র			বৃশ্চিক	15:34:22	01:03:08	অনুরাধা	4	17	মং	শনি	বৃহ	সমরাশি
শনি	ব		বৃষ	29:26:05	00:03:43	মৃগশিরা	2	5	শুক্র	মং	শনি	মিত্ররাশি
রাহু	ব		বৃষ	13:54:35	00:04:36	রোহিণী	2	4	শুক্র	চং	বৃহ	মিত্ররাশি
কেতু	ব		বৃশ্চিক	13:54:35	00:04:36	অনুরাধা	4	17	মং	শনি	রাহু	মিত্ররাশি
ইউ			কুম্ভ	03:07:29	00:03:05	ধনিষ্ঠা	3	23	শনি	মং	শুক্র	---
নেপ			মক	16:13:58	00:02:13	শ্রবণা	2	22	শনি	চং	শনি	---
প্লু			বৃশ্চিক	24:55:27	00:01:55	জ্যেষ্ঠা	3	18	মং	বুধ	রাহু	---
দশম ভাব			কর্ক	12:48:42	--	পুষ্যা	--	8	চং	শনি	মং	--

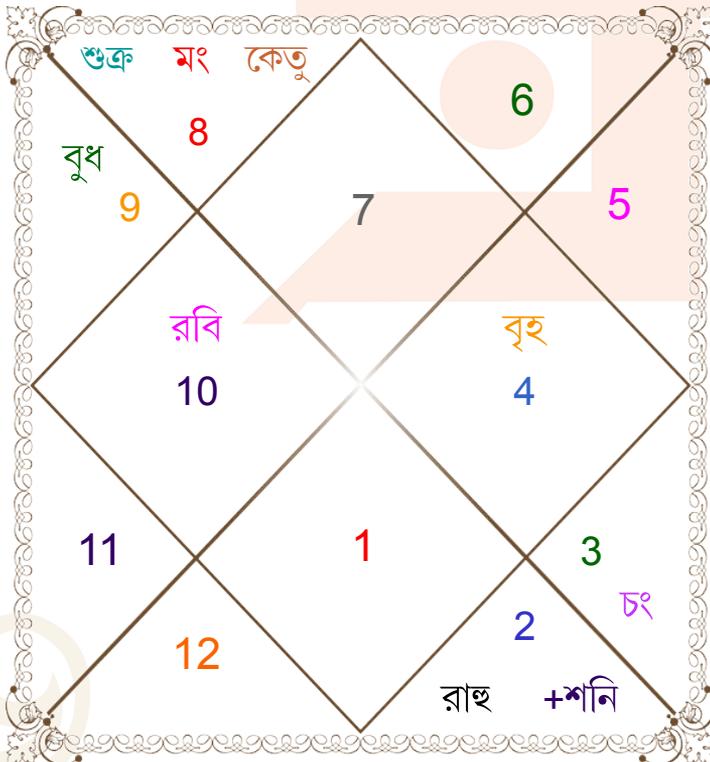
ব - বক্রী স - স্থির

অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত

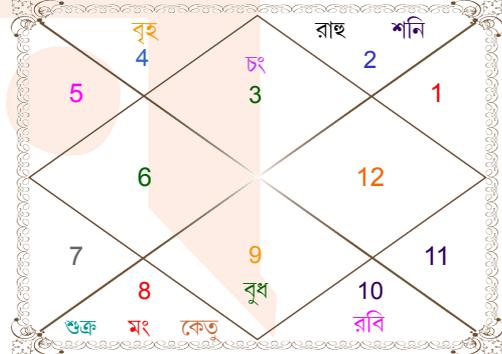
রাহু : স্পর্শ

লাহিড়ী অয়নাংশ : 23:53:44

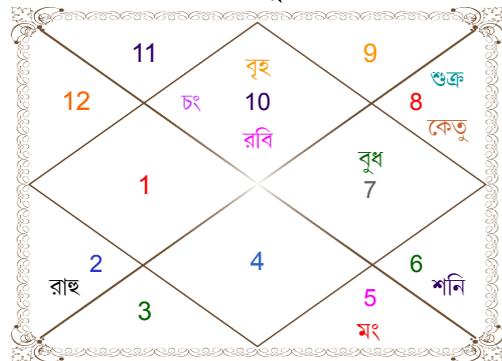
লগ্ন চলিত



চন্দ্র কুন্ডলী



নবাংশ কুন্ডলী



চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

চলিত ডিগ্রী

ভাব	ভাব সন্ধি	ভাব মধ্য
1	কন্যা 26:11:19	তুলা 10:51:51
2	তুলা 26:11:19	বৃশ্চিক 11:30:48
3	বৃশ্চিক 26:50:16	ধনু 12:09:45
4	ধনু 27:29:13	মকর 12:48:42
5	মকর 27:29:13	কুম্ভ 12:09:45
6	কুম্ভ 26:50:16	মীন 11:30:48
7	মীন 26:11:19	মেঘ 10:51:51
8	মেঘ 26:11:19	বৃষ 11:30:48
9	বৃষ 26:50:16	মিথুন 12:09:45
10	মিথুন 27:29:13	কর্কট 12:48:42
11	কর্কট 27:29:13	সিংহ 12:09:45
12	সিংহ 26:50:16	কন্যা 11:30:48

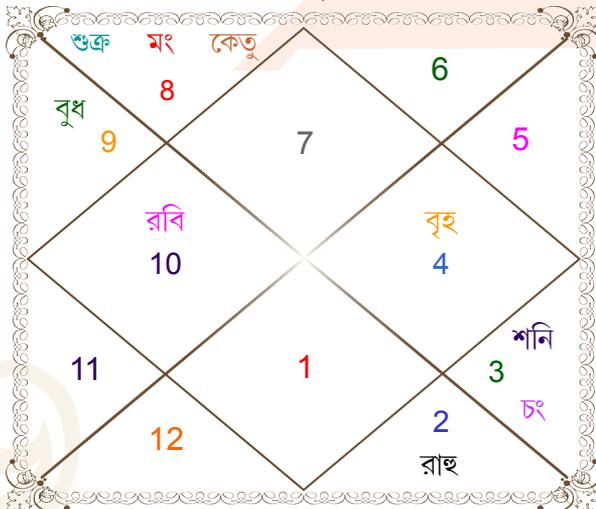
নিরয়ন ভাব চলিত

ভাব	রাশি	ডিগ্রী
1	তুলা	10:51:51
2	বৃশ্চিক	09:56:31
3	ধনু	10:40:54
4	মকর	12:48:42
5	কুম্ভ	14:57:59
6	মীন	14:46:27
7	মেঘ	10:51:51
8	বৃষ	09:56:31
9	মিথুন	10:40:54
10	কর্কট	12:48:42
11	সিংহ	14:57:59
12	কন্যা	14:46:27

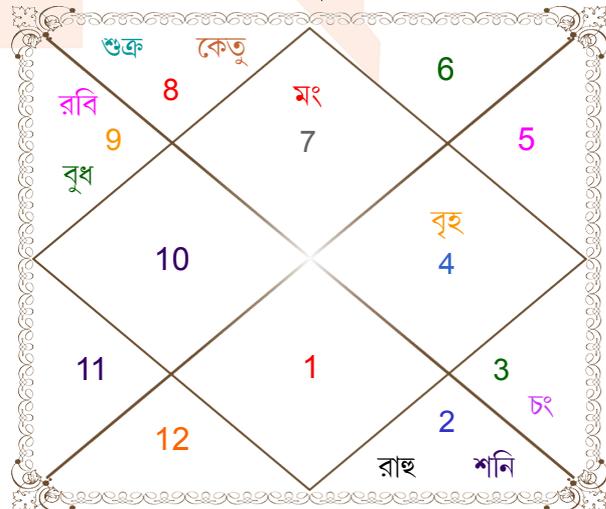
তারা চক্র

জন্ম	সম্পত	বিপত	ক্ষেম	প্রত্যারি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা	অশ্লেষা	মঘা	পূ ফালগুণী	উ ফালগুণী	হস্তা	চিত্রা
স্বাতী	বিশাখা	অনুরাধা	জ্যেষ্ঠা	মূলা	পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা
শতভিষা	পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ	রেবতী	অশ্বিনী	ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা

চলিত কুন্ডলী



ভাব কুন্ডলী



বিংশোত্তরী দশা

ভোগ্য দশা : রাহু 10 বর্ষ 8 মাস 22 দিন

রাহু 18 বর্ষ	বৃহ 16 বর্ষ	শনি 19 বর্ষ	বুধ 17 বর্ষ	কেতু 7 বর্ষ
17/01/2003	09/10/2013	09/10/2029	08/10/2048	09/10/2065
09/10/2013	09/10/2029	08/10/2048	09/10/2065	08/10/2072
00/00/0000	বৃহ 27/11/2015	শনি 11/10/2032	বুধ 07/03/2051	কেতু 07/03/2066
17/01/2003	শনি 09/06/2018	বুধ 22/06/2035	কেতু 03/03/2052	শুক্র 07/05/2067
শনি 21/09/2003	বুধ 14/09/2020	কেতু 30/07/2036	শুক্র 02/01/2055	রবি 12/09/2067
বুধ 09/04/2006	কেতু 21/08/2021	শুক্র 30/09/2039	রবি 09/11/2055	চং 12/04/2068
কেতু 28/04/2007	শুক্র 21/04/2024	রবি 11/09/2040	চং 09/04/2057	মং 08/09/2068
শুক্র 28/04/2010	রবি 07/02/2025	চং 12/04/2042	মং 06/04/2058	রাহু 27/09/2069
রবি 22/03/2011	চং 09/06/2026	মং 22/05/2043	রাহু 24/10/2060	বৃহ 02/09/2070
চং 20/09/2012	মং 16/05/2027	রাহু 28/03/2046	বৃহ 30/01/2063	শনি 12/10/2071
মং 09/10/2013	রাহু 09/10/2029	বৃহ 08/10/2048	শনি 09/10/2065	বুধ 08/10/2072

শুক্র 20 বর্ষ	রবি 6 বর্ষ	চং 10 বর্ষ	মং 7 বর্ষ	রাহু 18 বর্ষ
08/10/2072	08/10/2092	09/10/2098	09/10/2108	10/10/2115
08/10/2092	09/10/2098	09/10/2108	10/10/2115	00/00/0000
শুক্র 08/02/2076	রবি 26/01/2093	চং 09/08/2099	মং 08/03/2109	রাহু 22/06/2118
রবি 07/02/2077	চং 28/07/2093	মং 10/03/2100	রাহু 26/03/2110	বৃহ 15/11/2120
চং 09/10/2078	মং 02/12/2093	রাহু 09/09/2101	বৃহ 02/03/2111	শনি 18/01/2123
মং 09/12/2079	রাহু 27/10/2094	বৃহ 09/01/2103	শনি 10/04/2112	00/00/0000
রাহু 09/12/2082	বৃহ 15/08/2095	শনি 10/08/2104	বুধ 07/04/2113	00/00/0000
বৃহ 09/08/2085	শনি 27/07/2096	বুধ 09/01/2106	কেতু 03/09/2113	00/00/0000
শনি 08/10/2088	বুধ 03/06/2097	কেতু 10/08/2106	শুক্র 03/11/2114	00/00/0000
বুধ 09/08/2091	কেতু 09/10/2097	শুক্র 10/04/2108	রবি 11/03/2115	00/00/0000
কেতু 08/10/2092	শুক্র 09/10/2098	রবি 09/10/2108	চং 10/10/2115	00/00/0000

❖ উপরোক্ত দশা চন্দ্রের অংশ আধারিত । ভয়াত ভভোগ আধারিত দশা ভোগ্যকাল রাহু ১০ ব ৮ মা ১ দি হয় ।

❖ উপরোক্ত তিথি দশা সমাপ্তির সময় । বিংশোত্তরী দশা পুরো ১২০ বর্ষের বর্ধিত, আয়ুনির্ণয় ব্যতীত ।

বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

বৃহ - চং		বৃহ - মং		বৃহ - রাহু		শনি - শনি		শনি - বুধ	
07/02/2025		09/06/2026		16/05/2027		09/10/2029		11/10/2032	
09/06/2026		16/05/2027		09/10/2029		11/10/2032		22/06/2035	
চং	20/03/2025	মং	29/06/2026	রাহু	25/09/2027	শনি	01/04/2030	বুধ	28/02/2033
মং	17/04/2025	রাহু	19/08/2026	বৃহ	19/01/2028	বুধ	03/09/2030	কেতু	26/04/2033
রাহু	29/06/2025	বৃহ	04/10/2026	শনি	06/06/2028	কেতু	06/11/2030	শুক্র	07/10/2033
বৃহ	02/09/2025	শনি	27/11/2026	বুধ	08/10/2028	শুক্র	09/05/2031	রবি	25/11/2033
শনি	18/11/2025	বুধ	14/01/2027	কেতু	29/11/2028	রবি	03/07/2031	চং	15/02/2034
বুধ	26/01/2026	কেতু	03/02/2027	শুক্র	24/04/2029	চং	02/10/2031	মং	13/04/2034
কেতু	24/02/2026	শুক্র	01/04/2027	রবি	07/06/2029	মং	05/12/2031	রাহু	08/09/2034
শুক্র	16/05/2026	রবি	18/04/2027	চং	19/08/2029	রাহু	18/05/2032	বৃহ	17/01/2035
রবি	09/06/2026	চং	16/05/2027	মং	09/10/2029	বৃহ	11/10/2032	শনি	22/06/2035
শনি - কেতু		শনি - শুক্র		শনি - রবি		শনি - চং		শনি - মং	
22/06/2035		30/07/2036		30/09/2039		11/09/2040		12/04/2042	
30/07/2036		30/09/2039		11/09/2040		12/04/2042		22/05/2043	
কেতু	15/07/2035	শুক্র	08/02/2037	রবি	17/10/2039	চং	29/10/2040	মং	06/05/2042
শুক্র	21/09/2035	রবি	07/04/2037	চং	15/11/2039	মং	02/12/2040	রাহু	06/07/2042
রবি	11/10/2035	চং	12/07/2037	মং	06/12/2039	রাহু	27/02/2041	বৃহ	29/08/2042
চং	14/11/2035	মং	18/09/2037	রাহু	27/01/2040	বৃহ	15/05/2041	শনি	01/11/2042
মং	07/12/2035	রাহু	10/03/2038	বৃহ	13/03/2040	শনি	14/08/2041	বুধ	28/12/2042
রাহু	06/02/2036	বৃহ	12/08/2038	শনি	07/05/2040	বুধ	04/11/2041	কেতু	21/01/2043
বৃহ	31/03/2036	শনি	11/02/2039	বুধ	25/06/2040	কেতু	08/12/2041	শুক্র	29/03/2043
শনি	03/06/2036	বুধ	25/07/2039	কেতু	15/07/2040	শুক্র	14/03/2042	রবি	18/04/2043
বুধ	30/07/2036	কেতু	30/09/2039	শুক্র	11/09/2040	রবি	12/04/2042	চং	22/05/2043
শনি - রাহু		শনি - বৃহ		বুধ - বুধ		বুধ - কেতু		বুধ - শুক্র	
22/05/2043		28/03/2046		08/10/2048		07/03/2051		03/03/2052	
28/03/2046		08/10/2048		07/03/2051		03/03/2052		02/01/2055	
রাহু	25/10/2043	বৃহ	30/07/2046	বুধ	10/02/2049	কেতু	28/03/2051	শুক্র	23/08/2052
বৃহ	12/03/2044	শনি	23/12/2046	কেতু	02/04/2049	শুক্র	28/05/2051	রবি	14/10/2052
শনি	24/08/2044	বুধ	03/05/2047	শুক্র	27/08/2049	রবি	15/06/2051	চং	08/01/2053
বুধ	18/01/2045	কেতু	26/06/2047	রবি	10/10/2049	চং	15/07/2051	মং	09/03/2053
কেতু	20/03/2045	শুক্র	27/11/2047	চং	22/12/2049	মং	05/08/2051	রাহু	11/08/2053
শুক্র	10/09/2045	রবি	13/01/2048	মং	12/02/2050	রাহু	28/09/2051	বৃহ	27/12/2053
রবি	01/11/2045	চং	30/03/2048	রাহু	24/06/2050	বৃহ	16/11/2051	শনি	09/06/2054
চং	26/01/2046	মং	23/05/2048	বৃহ	19/10/2050	শনি	12/01/2052	বুধ	03/11/2054
মং	28/03/2046	রাহু	08/10/2048	শনি	07/03/2051	বুধ	03/03/2052	কেতু	02/01/2055

শুভাশুভ জ্ঞান

শুভাশুভজ্ঞান আপনাকে নিজের মিত্র এবং শত্রু সম্বন্ধে সজাগ করায়। মূলাক্ষ, ভাগ্যাক্ষ এবং মিত্রাঙ্কর সহিত মিত্রতা এবং অংশীদারি করলে লাভ তথা সহযোগ প্রাপ্তি হবে। শুভ দিন এবং বর্ষ উন্নতি কারক তথা শুভ গ্রহের দশা লাভদায়ক। সেরূপ মিত্রলগ্ন এবং মিত্ররাশির ঘনিষ্ঠতা লাভদায়ক।

শুভরত্ন, শুভ ধাতু এবং শুভ রং ধারণ করলে শারীরিক এবং মানসিক সুস্থতা থাকে, ভাগ্য রত্ন ধারণ করলে সৌভাগ্য বৃদ্ধি হয়। শুভ সময়ে কার্য প্রারম্ভ করলে সফলতা প্রাপ্তি হয়। সাথে-সাথে ইন্টদেবের ধ্যান এবং জপ মানসিক শান্তি তথা সফলতা প্রদান করে। শুভ পদার্থ-অন্ন, দ্রব্য ইত্যাদির দান অথবা ব্যবসায় শুভ দিকে শুরু করলে বাঞ্ছিত ফললাভ প্রাপ্ত হয়। এইরূপ শুভাশুভজ্ঞানের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োগ শুভফলদায়ক।

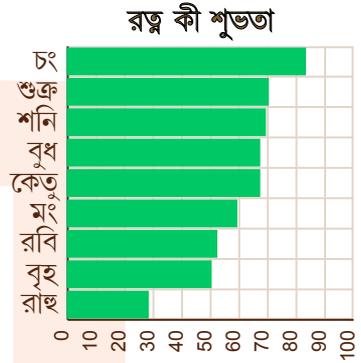
মূলাক্ষ	8
ভাগ্যাক্ষ	5
মিত্র অক্ষ	1, 2, 8, 5
শত্রু অক্ষ	3, 7, 9
শুভ বর্ষ	26,35,44,53,62
শুভ দিন	শনি, বুধ, শুক্র
শুভ গ্রহ	শনি, বুধ, শুক্র
মিত্র রাশি	কন্যা, কুম্ভ
মিত্র লগ্ন	মকর, মিথুন, সিংহ
অনুকূল দেবতা	গণেশ
শুভ রত্ন	হীরা
শুভ উপরত্ন	জারকন, সোনালী হকীক
ভাগ্য রত্ন	পান্না
শুভ ধাতু	রৌপ্য
শুভ রং	রজত
শুভ দিক্	দক্ষিণপূর্ব
শুভ সময়	সূর্যোদয়
দান পদার্থ	মিশ্রি, দধি, শেবতচন্দন
দান অন্ন	চাউল
দান দ্রব্য	দুধ

রত্ন চয়ন

রত্ন জীবন মেং শুভত্ব কী বৃদ্ধি কে লিএ ধারণ কিএ জাতে হৈং। বৈজ্ঞানিক রূপ সে, রত্ন অপনে গৃহ কী রাশিযোং কো পর্ণমাত্রা মেং মানব শরীর মেং প্রবাহিত কর গৃহ প্রভাব কী বৃদ্ধি করতে হৈং। যही कारण है कि रत্ন केवल शुभ ग्रहोएं का ही धारण किया जाता है। गृह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रोएं की फति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नां में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत্ন चयन हेतु गृह की शुभता दशांते है।

नीचे जन्मकण्डली में ग्रहोएं की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही केटोन सा गृह किस त्वे में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नोएं की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस गृह को १५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसको रत্ন हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिसे ५०-१५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसे कार्य त्वे अनूसार व अनूकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत্ন केवल २५-५० प्रतिशत शुभता लिए है उनको रत্ন केवल उनकी या उनको मित्रोएं की दशा में धारण करने चाहिए। अस्तंतः जिसे २५ प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे गृह अपने लिए अशुभ ही समरों नर उनको रत्नोएं को पहनने से बचना चाहिए।

रत্ন	गृह	शुभता	क्षेत्र
मुज्जा	चं	83%	भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
हीरा	शुक्र	70%	धन, दुर्घटना एडानो, स्वास्थ्य
नीला	शनि	69%	दुर्घटना एडानो, सुख, सन्तति सुख
पान्ना	बुध	67%	पराक्रम, भाग्योदय, कम खरच
बैदूर्यमनि	केतु	67%	धन
प्रवाल	मं	59%	धन, दम्पति
माणिक्य	रवि	52%	सुख, धनार्जन
पोखराज	बृह	50%	व्यावसायिक उन्नति, पराक्रम, शत्रु एवं रोग मुक्ति
गोमेद	राह	28%	दुर्घटना, धन हानि



दशानुसार रत্ন विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मुज्जा	प्रवाल	पान्ना	पोखराज	हीरा	नीला	गोमेद	बैदूर्यमनि
राह	09/10/2013	28%	70%	43%	67%	50%	77%	75%	52%	55%
बृह	09/10/2029	58%	89%	65%	55%	62%	58%	69%	28%	67%
शनि	08/10/2048	28%	70%	43%	73%	50%	77%	81%	41%	55%
बुध	09/10/2065	58%	70%	59%	80%	50%	77%	69%	28%	67%
केतु	08/10/2072	28%	70%	65%	67%	50%	77%	56%	3%	80%
शुक्र	08/10/2092	28%	70%	59%	73%	50%	83%	75%	41%	73%
रवि	09/10/2098	64%	89%	65%	67%	56%	58%	56%	3%	55%
चं	09/10/2108	58%	95%	59%	73%	50%	70%	69%	3%	55%
मं	10/10/2115	58%	89%	72%	55%	56%	70%	69%	3%	73%

সাড়েসাতী বিচার

শনির সাড়েসাতীর প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন পরিধান করার পূর্বে দুধ ও গঙ্গাজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে। শনি দ্বাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকুণ্ডলীতে সাড়েসাতীর প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে ঠেয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতীর প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং ঠেয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শাস্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিঘ্নিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতী যে কোনো জন্মকুণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমণ করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতী শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতী জীবিকা অর্থ এবং পারিবারকে প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতী স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতীর পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

প্রথম চক্র

সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	17/01/2003-07/04/2003	-----	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	07/04/2003-06/09/2004	13/01/2005-26/05/2005	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	-----

দ্বিতীয় চক্র

সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	31/05/2032-13/07/2034	-----	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	13/07/2034-27/08/2036	-----	-----
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	-----

তৃতীয় চক্র

সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	11/07/2061-13/02/2062	07/03/2062-24/08/2063	06/02/2064-09/05/2064
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	30/08/2068-04/11/2070	-----	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	15/01/2079-12/04/2081	03/08/2081-07/01/2082	-----

শনির ঠেয়া ফল

ঠেয়ার প্রকার	ফল	ক্ষেত্র
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	সম	দুর্ঘটনা এড়ানো
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	শুভ	ভাগ্যোদয়
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	সম	ব্যবসায়িক অসুবিধা
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	অশুভ	কম খরচ
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	শুভ	সুখ

সাড়েসাতীর উপায়

দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের মাধ্যমে সাড়েসাতীর প্রভাব সীমিত করা সম্ভব। দান সামগ্রীর মধ্যে কালো বস্ত্র কালো কলাই, চামড়ার জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখযোগ্য। শনিবার অনাহার করে শনির পূজা করা উচিত এবং পরে গম, গমের আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহার করা উচিত। শনিবার নিজে অথবা ব্রাহ্মণের মাধ্যমে ১৯০০০ বার।

ॐ প্রাং প্রং প্রৌং সঃ শনৈশ্চরায় নমঃ ।।

মন্ত্র, উচ্চারণ করা দরকার স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পরিবারের সুখ, অর্থ এবং জীবিকার উপর সাড়েসাতীর শুভপ্রভাব লাভের জন্য মহামৃত্যুঞ্জয় মন্ত্র উচ্চারণ করলে সুফল পাওয়া যেতে পারে। ১২৫০০০ বার এই মন্ত্রটি উচ্চারণ করতে হবে।

ॐ ত্রযংবকম যজামহে সুগন্ধিং পুষ্টিবর্ধনম্।

উবার্গকমিব বন্ধনাম্মৃত্যোর্মুক্ষীয় মা মৃতাত।।

রত্ন পরিধানের পূর্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে।

ॐ হোং জুং স ॐ ভূর্ভুব স্ব ॐ।।

শনির সাড়েসাতীর শুভত্ব যাড়ানোর জন্য শনি যারের দিন আপনি ঘোড়ার নাল বা নৌকার পেরেক দিয়ে তৈরী লোহার আংটা ধারণ করুন। আপনি নীলা বস্ত্র যাহিষ্কার করুন, কারণ শনি আপনার ঠিকুজীতে যোগকারক গ্রহ নয়। লোহার আংটা ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধারণ করুন।

শনিবার শুক্ল পক্ষে সূর্যোৎস-র পূর্বে রত্ন পরিধানের শুভ সময়। এদিন পুষ-্যা, অনুরাধা, উত্তরা ভাদ্রপদ নক্ষত্র গুলি শুভ। শনিবার উপোস থাকা জরুরি।

ॐ শং শনৈশ্চরায় নম ।

অঙ্গুষ্ঠী ধারণ করলে শনির বস্ত্র দান করা উচিত। শনির অশুভ প্রভাব কম হবে তথা আপনার সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড্রডশডড্রডশশ্রী হনুমান চালীসা এবং শ্রী হনুমান অষ্টক পাঠ করা শ্রেষ্ঠ।

ईर्ष्या “कुर्षि”

जब वर या कन्या की कुंडली में मङ्गल लग्ना, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो माङ्गलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

**लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तृविनाशश्च भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।**

यदि जातक जातिकार कुर्षिंते मङ्गल गृह चतुर्थ घर, सप्तम घर, अष्टम घर वा द्वादश घरे स्थित হয় তবে এটাকে মাঙ্গলিক দোষ বলা হয়। মঙ্গল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে জাতক ও জাতিকা মাঙ্গলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন। অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুর্ষিকে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মাঙ্গলিক দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

আপনার জন্মের সময় আপনার কোষ্ঠিতে মঙ্গল দ্বিতীয়ঘরে অবস্থান করেছে যেটা বাচনভঙ্গী এবং পরিবারকে প্রতিনিধিত্ব করছে সুতরাং মঙ্গলের প্রভাবে পরিবারের মধ্যে ঝামেলা হতে পারে। দক্ষিণ ভারতে এটা কুজ দোষ নামে পরিচিত। এর ফলস্বরূপ আপনার বাচনভঙ্গী খুব মধুর এবং আশে পাশের লোকেরা এর দ্বারা প্রভাবিত হয় এবং এই স্থানটি আর্থিক লাভের জন্য তুলনাবিহীন এবং আপনি প্রচুর বিলাসিতা এবং অর্থ পরিশ্রমের দ্বারা উপার্জন করবেন। আপনার পরিবার আপনার উপরে সন্তুষ্ট থাকবে।

মঙ্গল দ্বিতীয় ঘরে অবস্থানের জন্য এবং পঞ্চম ঘরে প্রবেশ করেছে যেটা আপনার পুত্র স্থান নির্দেশ করেছে। তারা আপনাকে সহযোগিতা করেছে কিন্তু আপনার সন্তান জন্মাতে দেরী হবে। আপনি উচ্চ শিক্ষা অর্জনে সক্ষম হবেন। মঙ্গলের অষ্টম ঘরে প্রবেশের দরুন অত্যধিক উত্তেজনার অসুখে কষ্ট পাবেন কিন্তু এটা আপনাকে বেশী ক্ষতি করতে পারবে না। অধিকাংশ কাজই আপনার এই বছরে সমাপ্ত হবে। মঙ্গল নবমঘরে প্রবেশের জন্য আপনার পরিশ্রম ও চেষ্টার দ্বারা আপনি সফলতা অর্জন করবেন। আপনার ভাগ্যের তুলনায় আপনি কর্মের উপর খুব আস্থা সম্পন্ন ব্যক্তি হবেন।

মঙ্গলের দ্বিতীয় ঘরে প্রবেশের জন্য আপনি সুখী পারিবারিক জীবন অতিবাহিত করবেন। আপনি সুখী পারিবারিক অভাব ও সমস্যাকে ভালভাবে দেখাশুনা করবেন। তারা অবশ্যই সম্পূর্ণ সমর্থন করবেন এবং আপনাকে সহযোগিতা করবেন। আপনার জীবন সুখকর করার জন্য আপনার অবশ্যই মাঙ্গলিক বিহীন পুরুষকে বিবাহ করা উচিত। আপনি সুখী দাম্পত্য জীবন অতিবাহিত করবেন।

কালসর্প যোগ

অগ্নে রাহুরথ কেতু সর্বে মধ্যগতা গৃহা।
যোগা যং কালসর্পাখ্যো শীঘ্রং তং তু বিনাশয।।

রাহু এবং কেতু গৃহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গৃহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-
৩. আলুকি ৪. কুন্ডলিকাল ৫. পদ্ম ৬. মহাপদ্ম ৭. তক্ষক ৮. ককোটিক ৯. শংখচূড় ১০.
ঘাতক ১১. বিষধর ১২. শেযনাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গৃহ গৃহিত থাকলে তাহা উদিত গোলার্ধ যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাৎ দিক থেকে যদি সাত গৃহ স্থাপিত হয় তা অনুদিত গোলার্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গৃহে কিছু গৃহ রাহু-কেতুর অক্ষে সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং গৃহস্থ জীবনের প্রতিমুহূর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেরীতে সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাৎ লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়। কালসর্প যোগের বিধিবৎ উপচারের দ্বারা এরূপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব।

জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাব

আপনার জন্মকুন্ডলীতে কালসর্পযোগ না থাকায় এটির জন্য শান্তি ইত্যাদির আবশ্যিকতা নেই এবং আপনি সম্পূর্ণ সুখী জীবনযাপন করবেন।

হানুৱা ৩১ কৰ

শুক্র

মকররাশির চতুর্থস্থানে রবির অবস্থানের ফলে আপনি বিশেষ ভাগ্যবান হবেন না। এটা অসম্ভব নয় যে ছোট বয়সেই আপনি মা-বাবার কাছ থেকে আলাদা হয়ে পড়বেন এবং ভবঘুরে জীবন কাটাবেন। নানাভাবে বিভিন্ন বাধা-বিঘ্নের মধ্যে পড়ে বেশীভাগ সময়েই উদ্বিগ্ন হয়ে কাটাবেন। আপনার গৃহপরিবেশ বা শিক্ষাগত যোগ্যতা, কোনটাই আপনার কাছে সন্তোষজনক হবে না। সমস্ত সমস্যার সঙ্গে লড়বার জন্য আপনাকে মনসিঁহর করে প্রচেষ্টা চালিয়ে যেতে হবে, যাতে করে জীবনটা শান্তিতে কাটে।

আপনার জন্মের সময় সূর্য চতুর্থস্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতা সুস্বাস্থ্যের অধিকারী হবেন ও দীর্ঘায়ু লাভ করবেন এবং সমৃদ্ধশালী হবেন। উত্তরাধিকার সূত্রে আপনি পৈতৃক সম্পত্তি লাভ করবেন। আপনার কর্মজীবন গড়ে তুলতে তিনি সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দেবেন।

আপনি পিতার অনুগত হবেন এবং তাকে শ্রদ্ধা করবেন ও যত্নসহকারে সেবা করবেন। কিছু মতবিরোধ ছাড়া আপনি পিতার সঙ্গে সুস্থভাবে জীবনযাপন করবেন। আপনি পিতাকে সুখে ও শান্তিতে রাখার প্রয়াসে বৃত্তি হবেন।

চন্দ্র

আপনি একজন বিখ্যাত এবং প্রতিষ্ঠিত প্রতিপত্তিশালী হবেন। লোকে আপনাকে আপনার দয়ালু স্বভাবের জন্য ভালোবাসবেন।

মিথুনরাশির নবমস্থানে চন্দ্রের অবস্থানের ফলে আপনি সং এবং ধার্মিক হবেন। আপনি পুণ্যস্থান এবং ধার্মিকস্থানে ভ্রমণ করবেন। আপনি ধ্যান, জ্যোতিষ-বিদ্যা এবং আধ্যাত্মিক বিজ্ঞানের ওপর আগ্রহী হবেন। আপনি ভাগ্য এবং আপনার পিতার সহযোগিতা পাবেন, ও কঠোর পরিশ্রম ও ভাগ্যের সাহায্যে জীবনে উন্নতি করবেন। আপনার কর্মক্ষেত্রে আপনি উন্নতি এবং সম্মান পাবেন।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্র নবমস্থানে অবস্থান করায় আপনার মা শারীরিকভাবে সুস্থ থাকবেন এবং দীর্ঘায়ু হবেন। তিনি বিলাসময় জীবনযাপন করবেন।

আপনি আপনার মাকে শ্রদ্ধা ও মান্য করবেন। আপনি মাকে সুখী রাখার সবরকম চেষ্টা করবেন। আপনারা সুখে শান্তিতে থাকবেন এবং একে অপরের কাছে ভাগ্যবান বলে বিবেচিত হবেন।

মঙ্গল

বৃশ্চিকরাশির দ্বিতীয়স্থানে মঙ্গলের অবস্থান নিজ কঠোর পরিশ্রমের মাধ্যমে উন্নতির ইংগিত দেয়। যৌথ বা ব্যবসায়িক অংশীদারের মাধ্যমে জীবনের প্রথম দিকে ভীষণ লোকসানের ইংগিত রয়েছে। যদি ও কখনো সখনো বিঘ্নতা আসবে, তবুও গার্হস্থ্য জীবন সুখময় হবে। মাঝবয়স থেকে আপনি অর্থ উপার্জন করবেন এবং ভবিষ্যতের প্রয়োজনে অর্থ জমাবেন। পৈতৃকসম্পত্তির মাধ্যমে কিছু উপকৃত হতে পারেন।

এই শিশুটির জন্ম সময়ে মঙ্গল ছিল দ্বিতীয় ঘরে যা আভাস দেয় যে তার ভাই বোনদের স্বাস্থ্য ঠিক থাকবে। কিন্তু মাঝে মধ্যে তারা অসুস্থ ও দুর্বলতা অনুভব করবে। তারা তাকে সম্ভাব্য সকল

উপায়ে সাহায্য ও সহযোগীতা করবে।

সে তাদের ভালোবাসবে এবং তারা মিলেমিশে থাকবে। কিন্তু তাদের মধ্যে মাঝে মাঝে বিবাদ এবং মতের অমিল হবে। এই মানসিক উদ্বেগ বেশীক্ষণ স্থায়ী হবে না এবং নিষ্ঠার সঙ্গে সে তাদের দেখাশোনা করবে।

বুধ

ধনুরাশির তৃতীয়স্থানে বুধের অবস্থানের ফলে ইংগিত করে যে আপনার ভাল স্মৃতিশক্তি আছে। মানসিক ক্ষমতা আপনার প্রবল। বুধ তৃতীয়স্থানে অবস্থানের ফলে জাত ব্যক্তি সাহসী ও নির্ভীক হয়।

যদি ইচ্ছা পোষণ করেন তবে ভাল সাংবাদিক কিংবা এডিটর হতে পারেন। প্রকাশনার মাধ্যমে অর্থনৈতিক লাভবান হবার ইংগিত রয়েছে।

বৃহস্পতি

কর্কটরাশির দশমস্থানে বৃহস্পতির অবস্থান আপনার পক্ষে অত্যন্ত সুখকর জীবনযাপনে সক্ষম করবে এবং এর প্রভাবে আপনি শুভফল লাভ করবেন। আপনি বুদ্ধিমান এবং কঠোর পরিশ্রমী, চতুরতার দ্বারা আপনি আপনার পেশায় আপনার মনিবকে সন্তুষ্ট করতে পারবেন এবং ক্রমাগত পদোন্নতিও করতে পারবেন। আপনার উর্দ্ধতন ব্যক্তির আশ্রয় আপনার কার্য করার দক্ষতার প্রশংসা করবেন। আপনি আপনার লেখনী বা অন্য কোন গুণাবলীর দ্বারা স্বীকৃতি পেতে পারেন।

আপনি আপনার পিতা এবং ভ্রাতাদের কাছ থেকে আর্থিক সাহায্য পাবেন, আপনার বন্ধু এবং উর্দ্ধতন সরকারী কর্মচারীরাও আপনাকে সাহায্য করবেন।

শুক্র

বৃশ্চিকরাশির দ্বিতীয়স্থানে শুক্রের অবস্থান আপনার সংগীতে এবং গুপ্তবিদ্যায় আগ্রহের ইংগিত দেয়। অর্থ উপার্জন করতে আপনি কঠোর চেষ্টা করবেন। আপনি আরামময় গার্হস্থ্য জীবনযাপন করবেন। কিন্তু কিছু আত্মীয়ের মনোভাবের জন্য আপনি উদ্ভিগ্ন এবং অসুখী থাকবেন।

আপনি দীর্ঘজীবনের আশীর্বাদ ধন্য। পৈতৃকসম্পত্তি লাভ হতে পারে। আপনার ব্যক্তিগত জীবন আরাম ও বৈভবময় হবে। আপনার সুন্দর ব্যবহার এবং সু-অভ্যাসের জন্য আপনি সুপরিচিত হবেন। শত্রুকে পরাজিত করতে সক্ষম হবেন। আপনি স্বনির্ভর ব্যক্তি।

শনি

বৃষরাশির অষ্টমস্থানে শনির অবস্থিতির ফলে আপনি জ্যোতিষবিদ্যার প্রতি সামান্যতমও আগ্রহের লক্ষণ দেখাবেন না। আপনি এতটা সমস্যা জর্জরিত থাকবেন যে আপনার বন্ধুবান্ধব এবং কারো

প্ররোচনাতেও আপনি জ্যোতিষবিদ্যা চর্চায় সামান্য সময়টুকুও দিতে পারবেন না। জ্যোতিষবিদ্যা চর্চায় আপনার জন্মগত কোন প্রতিভা থাকবে না। শনির প্রভাব এতোটা বেশী যে তা তুলালগ্নের বিপরীত প্রভাবকে ছাপিয়ে যাবে।

পূর্বপুরুষের সম্পত্তি ক্ষতিগ্ণস্ত হবে। আপনি কিছু সম্পত্তি পেতে পারেন কিন্তু তা আপনাকে সন্তুষ্ট করবে না। চুরি ছিনতাইয়ের লক্ষণ আছে, তাই আপনাকে বীমা করার পরামর্শ দেওয়া হচ্ছে।

দুর্ঘটনার সম্ভাবনাকে এড়াতে পারবেন না। কিন্তু বিপদের সম্ভাবনা নেই। আপনি দীর্ঘায়ু হবেন যতদূর সম্ভব প্যারালিসিস্ রোগে আপনার মৃত্যু হতে পারে।

রাহু

বৃষরাশির অষ্টমস্থানে রাহুর উপস্থিতি আপনাকে জ্যোতিষবিজ্ঞানের প্রতি আগ্রহান্বিত করবে না। এর কারন হচ্ছে রাহুর অবস্থিতি, কিন্তু তুলালগ্ন এর বিপরীত লক্ষণ দেখায়। এই কাজে আপনি ব্যর্থ হবেন কারন জ্যোতিষশাস্ত্রের সঙ্গে জড়িত ব্যক্তির আপনাকে বর্জন করবে। আপনি কিছু পৈতৃকসম্পত্তি পাবেন কিন্তু সমস্যা ও ব্যয়সাপেক্ষ মামলা মোকদ্দমায় জড়িত থাকবেন।

বিবাহ সময়ে পণ পাবেন কিন্তু পূর্ব-নির্ধারিত পরিমানের চেয়ে কম হওয়ার দরুন মনে ক্ষোভ জন্মাবে। আপনি বীমার দ্বারা লাভবান হবেন তবে চুরি ডাকাতি ও দুর্ঘটনার যথেষ্ট সম্ভাবনা আছে।

আপনি আকস্মিকভাবে মারা যাবেন, আপনার শেষসময় যন্ত্রনাদায়ক হবে।

কেতু

বৃশ্চিকরাশির দ্বিতীয়স্থানে কেতুর অবস্থানের ফলে গভীর অর্থকষ্টের ইংগিত আছে। আপনার গার্হস্থ্যজীবন সুখকর হবে না। গোপন এবং অসদুপায়ে আপনার অর্থাগম হবে। চোখ ফুলে গিয়ে আপনি কষ্ট পেতে পারেন। হয়ত আপনি অন্যদের সুখী করবেন, কিন্তু তা সত্ত্বেও আপনি সুনাম অর্জন করতে পারবেন না।

দশা বিশ্লেষণ

মহাদশা :- বৃহস্পতি
(09/10/2013 - 09/10/2029)

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে গুরুর মহাদশা ০৯/১০/২০১৩ আরম্ভ হবে এবং ১৬ বছর পরে ০৯/১০/২০২৯ সমাপ্ত হবে।

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে গুরু দশম ভাবে অবস্থিত। দশম ভাব মান-সম্মান, যশ, নাম, আচরণ পদ-প্রতিষ্ঠা কর্তব্য, উন্নতি, ধার্মিক উৎসব, তীর্থ ভ্রমণ, রাজ সম্মান ইত্যাদির দ্যোতক।

শুভ গ্রহ গুরুর অবস্থানের কারণে দশম ভাব এবং শুভ দৃষ্টির কারণে দ্বিতীয় এবং চতুর্থ ভাবের উপর শুভ প্রভাব প্রদান করছে। এর ফলস্বরূপ আপনার জীবনের আগামী ১৬ বছর প্রভূত আনন্দ ও সুখ-সমৃদ্ধি লাভ হবে।

স্বাস্থ্য :

মহাদশা অধিপতি গুরু দশম ভাবে অবস্থিত এবং দ্বিতীয় ও চতুর্থ ভাব ছাড়া ষষ্ঠ ভাব অর্থাৎ শত্রু ও রোগভাবে দৃষ্টিপাতের কারণে আগামী ১৬ বছর আপনার কোনো জটিল রোগ বা বড় দুর্ঘটনা হবে না।

অর্থ-সম্পত্তি :

গুরু দশমভাবে স্থিত হয়ে প্রতিষ্ঠা ও সম্মান ভাব শক্তিশালী করছে। দশম স্থান কর্মভাব ও এক কেন্দ্রভাব, গুরুর দৃষ্টি চতুর্থভাব অর্থাৎ সুখভাব, ষষ্ঠভাব অর্থাৎ শত্রুভাব ছাড়া দ্বিতীয় স্থান ধনভাবে পতিত হওয়ার কারণে আপনি প্রভূত চল-অচল সম্পত্তি অর্জন করতে সমর্থ হবেন। আপনি এই দশা চলাকালীন অত্যন্ত আনন্দ ও ভোগ বিলাসপূর্ণ জীবনযাপন করবেন।

জীবিকা :

গুরু দশম কর্মভাবে অবস্থিত হয়ে শক্তি প্রদান করায় আপনি এই দশায় যেকোনো কাজ শুরু করলে সফল হবেন।

আপনার নাম যশ ও খ্যাতি প্রাপ্ত হবে। চাকুরীতে পদোন্নতি ও মান-সম্মান বাড়বে।

পারিবারিক জীবন :

দশম কেন্দ্র ভাবে অবস্থিত গুরুর দৃষ্টি দ্বিতীয় কেন্দ্রস্থান চতুর্থভাব অর্থাৎ সুস্থস্থানে থাকায় আপনার পারিবারিক জীবন বর্তমান দশায় অত্যন্ত সুখ, শান্তি ও উৎসাহবর্ধক হবে। আপনার জীবনসংগী আপনাকে পূর্ণ সহযোগিতা প্রদান করবেন।

শিক্ষা/প্রশিক্ষণ :

আপনার উত্তম শিক্ষা লাভ হবে। আপনি জ্ঞানার্জনের জন্য সর্বদা আগ্রহান্বিত থাকবেন। আপনি শিক্ষা ও জ্ঞানের সার্বিক উন্নতির জন্য সাহিত্য ধর্মগ্রন্থ ও পুরাণ অধ্যয়নে সর্বদা নিমগ্ন থাকবেন।

অন্তর্দর্শা :- বৃহস্পতি - চন্দ্র
(07/02/2025 - 09/06/2026)

আপনার বৃহস্পতির মহাদশা ০৯/১০/২০১৩ আরম্ভ হয়ে ছিল। এই মহাদশার সপ্তম অন্তর্দর্শা চন্দ্রের। ভোগ্যকাল ১ বর্ষ ৪ মাস। আপনার এই অন্তর্দর্শা ০৭/০২/২০২৫ আরম্ভ হয়ে ০৯/০৬/২০২৬ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি চন্দ্র সৌন্দর্য, স্বাস্থ্য, মানসিক স্বাস্থ্য ও ভাবনার কারক গ্রহ।

এই দশায় আপনার লাভজনক সুদূর যাত্রা হতে পারে। ধর্মে রুচি বৃদ্ধি সৌভাগ্য লাভ হবে। পিতা সঙ্গে উত্তম সম্বন্ধ স্থাপিত হবে। সন্তান সুখ লাভ করবেন। কার্যক্ষেত্রে সফলতা ও উত্তম বাকশক্তি সম্পন্ন হবেন। কলা ও সংগীত চর্চা করতে পারেন। উত্তম বস্ত্র, আভূষণ এবং ভোগ বিলাসের সামগ্রী লাভ করবেন।

আপনার জীবনসার্থী সফলতা প্রাপ্ত করবে বিশেষ করে সন্চার মাধ্যমে সাফল্যের ইংগিত পাওয়া যায়। আপনার পিতার উত্তম স্বাস্থ্য ও ধন লাভ হবে। মাতা বিরোধীদের পরাস্ত করবেন। ভাই-বোনেরা কার্য ক্ষেত্রে সফল ও সুখী বিবাহিত জীবন যাপন করবে। যদি অবিবাহিত হয় তাদের বিবাহ ঘটত হতে পারে। তারা বহু উপকারী বন্ধু লাভ করবে।

আপনার সন্তান পরীক্ষায় সফল হবে। কর্মরত হলে বিনিবেশে লাভ প্রাপ্ত করবে।

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে জন সম্পর্কের কার্যে যুক্ত হতে পারেন। উচ্চাধিকারীদের প্রশংসা ও সহযোগিতা প্রাপ্তির দ্বারা নিজেকে কর্মস্থলে সুপ্রতিষ্ঠিত করায় সমর্থ হবেন। পরামর্শদাতাদের কিছু ক্ষতি ও ভ্রমণ হওয়া সম্ভব। ব্যবসায়ীদের নিজের অবস্থা ঠিক রাখতে অধিক পরিশ্রম করতে হবে।

আপনার স্বাস্থ্য ভাব অতি উত্তম। শুভ্র বৃদ্ধির জন্য দুধ, জল ও রূপোর বস্ত্র দান করুন।

অন্তর্দর্শা :- বৃহস্পতি - মঙ্গল
(09/06/2026 - 16/05/2027)

আপনার বৃহস্পতির মহাদশা ০৯/১০/২০১৩ আরম্ভ হয়ে ছিল। এই মহাদশার অষ্টম অন্তর্দর্শা মঙ্গল গ্রহের। ভোগ্যকাল ১১ মাস ৬ দিন। আপনার এই অন্তর্দর্শা ০৯/০৬/২০২৬ আরম্ভ হয়ে ১৬/০৫/২০২৭ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি মঙ্গল সাহস, শৌর্য ও আত্মবিশ্বাসের কারক।

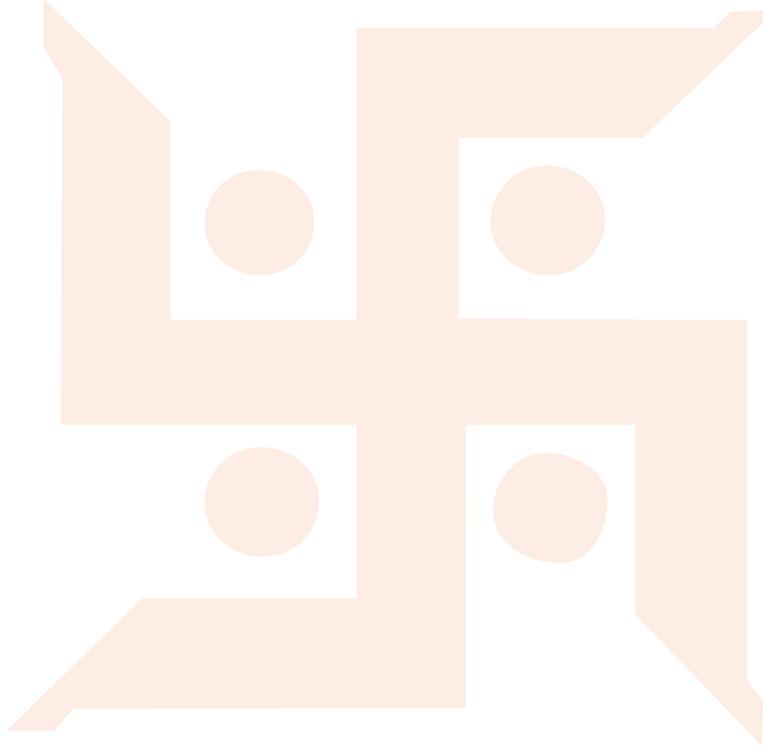
এই দশায় আপনার উত্তম ধনলাভ হলেও অনর্থক ব্যয় থেকে বিরত থাকুন। আপনার বুদ্ধি ও কঞ্জনা শক্তি প্রবল হবে। আপনি প্রসিদ্ধি প্রাপ্ত করবেন। অংশীদার অথবা উত্তরাধিকার সূত্রে ধনলাভে সমর্থ হবেন। আপনার জীবনে কিছু অপ্রত্যাশিত ঘটনা দ্বারা পরিবর্তন সাধিত হতে পারে। আপনি অচল সম্পত্তি ক্রয় ফাটকায় লাভ ও পরীক্ষায় সাফল্য প্রাপ্ত করবেন। আপনি উত্তম কর্মক্ষমতা ও উচ্চাধিকারীদের লাভ পেতে পারেন।

আপনার জীবনসার্থীর হঠাৎ লাভ হতে পারে। আপনার পিতা ধনার্জন, সম্মান বৃদ্ধি ও শত্রু বিজয়ী হওয়ার সম্ভাবনা অত্যন্ত প্রবল। মাতার পারিবারিক সুখ উত্তম স্বাস্থ্য ও প্রচুর অর্থাপার্জনে সমর্থ হবেন। আপনার ভাই-বোন অধিক ব্যয় উত্তম শিক্ষা অচল সম্পত্তি প্রাপ্তি ও বাহন সুখ লাভ করবেন।

মহাদশা :- শনি
(09/10/2029 - 08/10/2048)

শনির মহাদশা ১৯ বর্ষ অবধি হয়। আপনার কুন্ডলীতে এই দশা ০৯/১০/২০২৯ আরম্ভ ও ০৮/১০/২০৪৮ সমাপ্ত হবে।

শনি আপনার কুন্ডলীতে পঞ্চম ভাবে অবস্থিত। শনি এক অশুভ গৃহ এবং ফল প্রাপ্তিতে বিলম্ব ও বাধা প্রদান করে। ফল প্রাপ্তির জন্য এই গৃহ জাতককে কঠিন পরিশ্রমে প্রেরিত করে জাতকের ধৈর্য পরীক্ষা নেওয়ার পরে জাতককে লক্ষ্য প্রাপ্তি করায়। অতএব শনি এক 'কার্মিক' গৃহ। আপনার জন্মকুন্ডলীর দশম, দ্বিতীয় এবং পঞ্চম ভাবের উপর নিজের প্রভাব বিস্তার করছে। অষ্টম ভাব দীর্ঘায়ু, পৈত্রিক সম্পত্তি,



দুর্ভাগ্য, দুঃখ, অসন্তোষ, পরাজয়, হানি, বাধা, মৃত্যু এবং চুরি ইত্যাদির দ্যোতক।

স্বাস্থ্য :

অষ্টম ভাবে শিহিত শনি অষ্টম ভাব অর্থাৎ দীর্ঘায়ুর কারক ভাবে শক্তি প্রদান করার ফলে আপনাকে দীর্ঘজীবন ও প্রসন্নতা প্রদান করছে। বিদেশ প্রবাস আপনার স্বাস্থ্যের উপর প্রতিকূল প্রভাব ফেলতে পারে।

ধন-সম্পত্তি :

অষ্টম শিহিত শনির ফলস্বরূপ আপনি জমি-জায়গা, বাহন, পদ-প্রতিষ্ঠা ও শক্তি প্রাপ্ত করবেন। এই দশা আপনার চল-অচল সম্পত্তি বৃদ্ধিতে সহায়ক হবে। আপনি নিজের অনেক উত্তরদায়িত্ব পালনে তৎপর ও সফল হবেন। আপনি আপনার চলার পথে আসা বিভিন্ন কঠিন পরিস্থিতির দৃঢ়তার সঙ্গে সম্মুখীন হবেন এবং নিজের কর্তব্য পালনে সাফল্য লাভ করবেন।

ব্যবসায় :

আপনি আপনার পিতার ব্যবসায়ে যুক্ত হওয়ার প্রচেষ্টা করবেন। জীবিকার ক্ষেত্রে অনেক গভীর সমস্যা আসতে পারে। পৈতৃক সম্পত্তি প্রাপ্তি এবং ব্যবসায়ে বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হবেন।

পারিবারিক জীবন :

জীবিকা ও কর্মক্ষেত্রের মতো পারিবারিক জীবনেও আপনি বিভিন্ন সমস্যা ও বাধা ইত্যাদির সম্মুখীন হবেন। আপনি আপনার জন্মস্থান থেকে দূরে এবং বিজাতীয় মহিলার প্রতি আকৃষ্ট হতে পারেন। আপনি সর্বাঙ্গীণ সৌভাগ্যবান নাও হতে পারেন।

শিক্ষা/প্রশিক্ষণ :

জীবিকা, পরিবার, কর্মক্ষেত্রের মতোই শিক্ষাক্ষেত্রেও কিছু বাধা উৎপন্ন হবে।

অন্তর্দর্শা :- শনি - শনি
(09/10/2029 - 11/10/2032)

শনির মহাদশা ১৯ বছর। আপনার এই মহাদশা ০৯/১০/২০২৯ আরম্ভ হয়ে ০৮/১০/২০৪৮ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় শনির অন্তর্দর্শা ৩ বছর ৩ মাসের যা আপনার জন্য ০৯/১০/২০২৯ আরম্ভ হয়ে ১১/১০/২০৩২ সমাপ্ত হবে।

শনি আপনার জন্মপত্রিকায় অষ্টম ভাবে অবস্থিত। অষ্টম ভাব আয়ু, উত্তরাধিকার, দুর্ঘটনা, দুর্ভাগ্য, দুঃখ, দুশ্চিন্তা, নিরাশা, ক্ষতি, বাধা, চুরি ও ডাকাতির দ্যোতক। শনি শক্তিশালী ও অশুভ গৃহ। অষ্টম ভাব স্থিত শনি আপনার কুন্ডলীর ১০, ২, ৫ ভাবে দৃষ্টিপাত করে এই ভাবের কারকত্বকে প্রভাবিত করছে। অষ্টম ভাবে শনির স্থিতি শুভ ও দীর্ঘায়ুর পরিচায়ক।

এই দশায় আপনি ধৈর্যশীল ও কর্মঠ হবেন। কার্যে বাধা এলেও আপনি নিজের কর্তব্য নির্ণয়পূর্বক পালন করবেন। কষ্ট ভোগের কারণে আপনি ক্রুর ও বেইমান হতে পারেন। নেত্র ও বক্ষ রোগের ব্যাপারে সাবধান হন।

অরিষ্ট মুক্তি ও শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য নিম্ন উপায় করুন :

- ১ মাছেদের আটার গুলি খাওয়ান।
- ২ শিবের উপাসনা করুন।
- ৩ ভোজনের পূর্বে গরুকে ভোজন দিন।
- ৪ অশুখ গাছে জল দিন।